संयुक्त तंजानिया गणराज्य के राष्ट्रपति के सम्मान में आयोजित राजभोज के अवसर पर माननीय राष्ट्रपति का अभिभाषण

राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली : 19.06.2015

महामहिम डॉ. जकाया म्रशो कीक्वेटे,
संयुक्त तंजानिया गणराज्य के राष्ट्रपति,
मादाम सलमा कीक्वेटे,
वशष्ट अतिथगण,

राष्ट्रपति महोदय, भारत की प्रथम राजकीय यात्रा पर आज आपका स्वागत करना मेरे लए अत्यंत प्रसन्नता और सौभाग्य का वषय है। मैं, भारत सरकार और जनता की ओर से आपका और मादाम मादाम सलमा कीक्वेटे तथा आपके शष्टमंडल के वशष्ट सदस्यों का हार्दिक स्वागत करता हूं।

महामहिम, भारत की जनता तंजानिया को शानदार झीलों, समृद्ध वन्यजीव अभयारण्यों तथा बर्फ से ढके वशाल कलमंजारो के देश के रूप में जानती है। हम शांति और सौहार्द के साथ रह रहे वनम्र वनम्र और परिश्रमी लोगों के राष्ट्र के तौर पर तंजानिया की सराहना करते हैं। तंजानिया हमारे मन में अपने प्रतिष्ठित संस्थापक नेता म्वालमू जूलयस न्येरेरे तथा भारत के संस्थापकों के साथ उनकी प्रगाढ़ मैत्री की मधुर स्मृतियां जगा देता है। वशेषकर हम दक्षण-दक्षण सहयोग में योगदान योगदान के लए उन्हें याद करते हैं।

महामहिम, आपके नेतृत्व में, तंजानिया ने सराहनीय प्रगति की है। यह वश्व स्तर पर दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में गौरवपूर्ण ढंग से शामल है। हम तंजानिया में गरीबी और भूख कम करने में आपकी सफलता की प्रशंसा करते हैं। हम अपने क्षेत्र में शांति स्थापत करने के आपके कामयाब प्रयासों की सराहना करते हैं। भारत के अपने देश में तीव्र आर्थक प्रगति और समावेशी वकास तथा अपने क्षेत्र की और अधक तरक्की और समृद्ध के ऐसे ही लक्ष्य हैं। चरकालीन चरकालीन संबंधों तथा अनेक समान हितों वाले दो ऊर्जावान राष्ट्र होने के कारण, हमारे संयुक्त प्रयास दक्षण-दक्षण सहयोग के प्रेरणाजनक उदाहरण हैं। भारत और तंजानिया की अंतरराष्ट्रीय शांति और स्थिरता के लए साझी प्रतिबद्धता है। हम दोनों यह प्रयास करना चाहते हैं क वैश्वीकरण के लाभ अधक न्यायसंगत ढंग से प्राप्त कए जाएं। राष्ट्रपति महोदय,भारत बहुपक्षीय मंच पर तंजानिया के साथ अपने घनिष्ठ सहयोग को महत्वपूर्ण मानता है। हमारा यह दृढ़ वश्वास है क हमारे जैसे राष्ट्रों को यह सुनिश्चित करने का साझा ध्येय बना लेना चाहिए क वश्व शासन की संस्थाएं हमारी चंताओं पर ध्यान दें और वकासशील देशों की आकांक्षाओं को पूरा करें। हमने अन्य

अन्य वकासशील देशों के साथ मलकर, संयुक्त राष्ट्र और इसके प्रमुख संगठनों वशेषकर सुरक्षा परिषद में सुधार के लए पहल की है। हम, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता की हमारी दावेदारी के प्रति आपके समर्थन के आभारी हैं।

महामहिम, मैं इस अवसर पर यह दोहराना चाहता हूं क भारत अफ्रीका के साथ अपनी साझीदारी के लए अत्यंत प्रतिबद्ध है। हम, अफ्रीका के लोगों को एक साझे लक्ष्य की ओर यात्रा में बंधु मानते हैं। मुझे 2008 में प्रथम भारत-अफ्रीका मंच शखर सम्मेलन के सह-अध्यक्ष के रूप में भारत की आपकी वगत यात्रा याद है। अपनी स्थापना के बाद से, इस मंच ने वश्व के लगभग एक चौथाई भौगोलक क्षेत्र और एक तिहाई लोगों के साझे हितों का प्रतिनिधत्व कया है। भारत को इस वर्ष अक्तूबर में नई दिल्ली में तीसरे भारत-अफ्रीका मंच शखर सम्मेलन का आयोजन करने का सम्मान प्राप्त होगा। मुझे वश्वास है क इस शखर सम्मेलन से हमारे सभी लोगों के वकास, प्रगति वकास, प्रगति और उन्नति के लए नई पहलें और नवान्वेषी वचार सामने आएंगे। हमें इस आयोजन में तंजानिया की सक्रय भागीदारी की उम्मीद है।

महामहिम, इन्हीं शब्दों के साथ, मैं एक बार पुन: आपका और मादाम सलमा कीक्वेटे का स्वागत करता हूं और भारत की अत्यंत सफल यात्रा के लए शुभकामनाएं देता हूं।

वशष्ट अतिथगण,

देवयो और सज्जनो,

आइए हम सब मलकर:

-महामहिम राष्ट्रपति जकाया कीक्वेटे और मादाम सलमा कीक्वेटे के अच्छे स्वास्थ्य और सफलता;

- संयुक्त तंजानिया गणराज्य की जनता की निरंतर प्रगति और समृद्ध; तथा

- भारत और तंजानिया की स्थायी मैत्री की कामना करें।

धन्यवाद।